C7 Bio.Sc – Unit-1

Q जीव विज्ञान की प्रकृति की चर्चा कीजिए। इसके विभिन्न आयाम क्या है?

Ans → जीव विज्ञान सजीव जगत की पहचान की ज्ञान का विज्ञान है यह विज्ञान का एक अंग है। प्रारंभिक स्तर पर विज्ञान मे सम्मिलित है लेकिन उच्च स्तर पर जीव विज्ञान एक विषय के रूप मे अध्ययन कराती है विज्ञान विषय मे इस विषय को महत्ता सर्वोच्च है।

जीव विज्ञान विषय के आयाम या विमा :—

ऐतिहासिक :— ऐतिहासिक रूपो मे जीव विज्ञान मानव जगत के सभी निर्जीव वस्तुओं का अध्ययन क्षेत्र है इसकी तकनीकी प्राकृतिक घटनाओं को आगे आने वाली समय के साथ-साथ शोध परिकल्पना मे सहायक होती है यानि ऐतिहासिक एक ऐसा स्रोत है जो नये शोधो के क्षेत्र मे जीव विज्ञान साहित्य का कार्य करती है तथा प्राकृतिक ~~[illegible]~~ से जीव विज्ञान से कृत्रिम जीव विज्ञान की संरचनाओं को जोड़ने का कार्य करते है, ऐतिहासिक पक्ष हमेशा एक ऐसे क्षेत्र का निर्माण करता है जिसमे पूर्व से की गई संरचना वर्तमान समय के लिए एक प्रतिमान स्थापित करने मे सहायता करता है।

(ii) वैज्ञानिक :— सामान्यतः सिद्धांत एक प्रकार से वैज्ञानिक ज्ञान के ऐसे सुव्यवस्थित भंडार होते है उनकी सहायता से विज्ञान

को जानने सोचने, समझाने तथा वैज्ञानिक ज्ञान को उचित उपयोग करने मे सहायता मिलती है। तकनीकी भाषा मे विशेष रूप से प्रणाली उपागम के अनुसार सिद्धांत एक ऐसी सुव्यस्थित प्रणाली का प्रतिनिधित्व करते है जिनमे तथ्यो, सम्प्रत्यो सामान्यीकृत निष्कर्षों तथा नियमों के रूप मे कई पारस्परिक संबंधित उपप्रणालियाँ कार्य करती है। प्रत्येक सिद्धांत का अपना एक निश्चित स्वरूप, संकेत तथा भाषा होती है। जैसे - मॉर्शल का सिद्धांत

(iii) प्रतीकात्मक - प्रतीकात्मक क्षेत्रो का विकास एक मॉडल के रूप मे या एक Image के रूप मे अन्तर्वस्तु को जोड़ी जाती है जिसके आधार पर अधिगम को अनुभविक प्रक्रिया प्राप्त होती है। जो एक प्रतीकात्मक होती है। जब हम किसी पाठ्यपुस्तक को सामान्य रूप से शैक्षणिक कार्यक्रम मे या मार्गदर्शन प्रदान करते है तो यह क्रिया भी प्रतीकात्मक होती है इसके अलावा जब किसी प्रश्नोत्तर की feedback प्राप्त की जाती है तो यह Reactionable Learning होती है।

(iv) ऐतिहासिक - ऐतिहासिक रूपों मे एक मानव जगत के सभी निर्जिव वस्तुओं का अध्ययन क्षेत्र है इसकी तकनीकी प्राकृतिक घटनाओं को आगे आनेवाली समय के साथ शोध परिकल्पना मे सहायक होती है यानि ऐतिहासिक एक ऐसा स्रोत है जो नये

शोधों के क्षेत्र में एक जीव विज्ञान साहित्य का कार्य करता है तथा प्राकृतिक जीव विज्ञान से कृत्रिम जीव विज्ञान की संरचनाओं को जोड़ने का कार्य करता है ऐतिहासिक पक्ष हमेशा एक ऐसे क्षेत्र का निर्माण करता है जिसमें पूर्व से की गई संरचना वर्तमान समय के लिए प्रतिमान स्थापित करने में सहायता करता है।

उपर्युक्त वाणिज्य शिक्षण के क्षेत्र एक नई आयामों की संरचना करता है जो पूर्णतः उसकी उपयोगिता को वर्तमान समय के महत्व को उपयोगी बनाता है और यह आधुनिक संसार में सफल एवं संतुष्ट जीवन यापन के लिए आवश्यक भी है यानि जीव विज्ञान शिक्षण के आयाम शिक्षण पक्ष के महत्व को बढ़ाता है।